मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार- 848125

कुलपति महोदय का संदेश

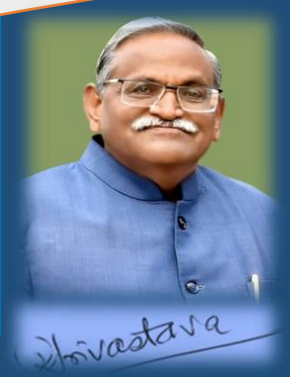

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

जनवरी 2021 में मैंने डॉ. रा. प्र. कें. कृ. वि., पूसा के कुलपति के रूप में 5 वर्ष पूरे कर लिए हैं। ये पांच वर्ष अनेक क्रियाकलापों से परिपूर्ण रहे और मुझे इस बात की संतुष्टि है कि, विश्वविद्यालय को समृद्ध, सक्रिय एवं प्रगतिशील बनाने का जो वादा हम ने भारत के माननीय राष्ट्रपति तथा तत्कालीन (2016) बिहार के माननीय राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद जी से किया था उसे पूर्ण करने की ओर तेजी से अग्रसर हैं | इस अवधि के दौरान, छात्रों की संख्या 468 से बढ़कर 1500, कॉलेजों की संख्या 6 से बढ़कर 8, तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या 11 से बढ़कर 16 हो गई हैं | अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ अनुसन्धान एवं उच्च शिक्षा के 10 नए उत्कृष्टता के केंद्र भी स्थापित किए गए । इंडिया टुडे ग्रुप ने हमारे विश्वविद्यालय को सार्वजनिक वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 10वां स्थान प्रदान किया तथा एशिया प्रशांत क्षेत्र के सर्वेक्षण में हम शीर्ष पांच हरित विश्वविद्यालयों में शामिल किये गए। यह केवल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और छात्रों के पूर्ण समर्पित सहयोग से हीं संभव हो पाया है |

मैं, डॉ. टी महापात्र, सचिव, डेयर से मिले वित्तीय सहायता और उदार मार्गदर्शन के रूप में मिले समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं | मैं इस अवसर पर सभी को धन्यवाद करते हुए और इस विश्वविद्यालय को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लेता हूं। कोरोना महामारी के बाद विश्वविद्यालय में छात्रों की उपस्थिति को देखना बहुत हीं सुखद है | विश्वविद्यालय के तरफ से हालांकि, कोविड-19 के लिए सभी बचाव एवं निवारक उपाय किये गए हैं परन्तु छात्रों को मेरी सलाह है कि वो इस संबंध में सभी आवश्यक सावधानी बरतें।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.01.2021 को विश्वविद्यालय मुख्यालय के मुख्य द्वार पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स ए.क्यू.आई) के डिजिटल बोर्ड तथा विश्वविद्यालय ध्वज की स्थापना एवं मेजबानी की।
- दिनांक 01.01.2021 को नए साल के अवसर पर विश्वविद्यालय मुख्यालय और तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के कैंपस में आयोजित नव वर्ष उत्सव समारोहों में भाग लिया ।
- दिनांक 05.01.2021 को डॉ. पि.डी.के.वि.पी., अकोला द्वारा आयोजित दो सप्ताह के राष्ट्रीय ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम "पर्यावरण प्रथाओं और नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग" के उद्घाटन समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया ।
- दिनांक 13.01.2021 को "सौर ऊर्जा संचालित ग्रीन हाउस और सटीक खेती " पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया ।
- दिनांक 13.01.2021 को माननीय उप-मुख्यमंत्री, बिहार सरकार श्री तारकिशोर प्रसाद जी, श्रीमती रेणु देवी जी और बिहार के माननीय कृषि मंत्री, श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह जी से मुलाकात कर उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया ।
- दिनांक 15.01.2021 को विश्वविद्यालय परिसर में "स्टूडेंट फैमिली हॉस्टल" के रूप में पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 18.01.2021 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन. ई. पी.) के कार्यान्वयन में शिक्षक की भूमिका, जागरूकता, अभिविन्यास, चुनौतियां और प्रतिक्रिया" विषय पर आयोजित शैक्षणिक नेतृत्व (CAL-3) के तीसरे सम्मेलन में वर्चुअल मोड में भाग लिया ।
- दिनांक 19.01.2021 को अनुसंधान, शैक्षिक कार्यक्रम और सामुदायिक सहभागिता के संयुक्त स्थापना के लिए महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के साथ समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया | साथ हीं एम. एस. सोनाटा पेय और खाद्य पदार्थ प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली के साथ बगीचा व्यावसायीकरण, शहद प्रसंस्करण और सब्जियों की लटकती खेती के लिए हुए समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया ।
- दिनांक 19.01.2021 को सेंटर फॉर स्टार्ट-अप फैसिलिटी, डॉ. रा. प्र. कें. कृ. वि., पूसा और एम.एम ए.यू. गुड प्रा. लिमिटेड मुजफ्फरपुर के बीच हनी प्रोसेसिंग के लिए हुए समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया लिया ।
- दिनांक 19.01.2021 को सेंटर फॉर स्टार्ट-अप फैसिलिटी, डॉ. रा. प्र. कें. कृ. वि., पूसा और प्रगतिशील किसानो (श्री विद्या भूषण सिंह और श्री प्रमोद पीडी सिंह) के बीच हुए "लावे के प्रसंस्करण हेतु प्रौद्योगिकी" के समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया ।
- दिनांक 20.01.2021 को "गेहूं और जौ के नयी किस्मों की लोकप्रियता" पर इंटरफ़ेस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया ।
- दिनांक 20.01.2021 को एसोचैम द्वारा आयोजित विस्डम श्रृंखला आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत "स्वाबलंबी भारत-वोकल फॉर लोकल"समारोह में श्री योगेश चबरिया के साथ बातचीत में भाग लिया ।
- दिनांक 20.01.2021 को उद्यमिता विकास और उद्योग इंटरैक्शन सेल, एल.एन.सी.टी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा सतत शिक्षा में अगली पीढ़ी के विश्वविद्यालय विषय पर आयोजित "उद्यमिता पर वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन" में वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया ।
- राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2021 को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वजारोहण कर कोरोना योद्धाओं को प्रसंसा पत्र वितरित किया।
- दिनांक 27.01.2021 को रिसर्च कॉम्प्लेक्स, डॉ. रा. प्र. कें. कृ. वि., पूसा में हर्बल गुलाल मशीन का उद्घाटन किया।
- दिनांक 28.01.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, पूसा द्वारा आयोजित "एग्रीटूरिज्म-अवसर और चुनौतियां" विषय पर हुए पैनल डिस्कशन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया
- दिनांक 28.01.2021 को बिहार में बाढ़ और सूखा के प्रभावों पर काबू पाने के लिए प्रबंधन रणनीतियों पर हुए राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- दिनांक 29.01.2021 को परास्नातक छात्रों के लिए नवनिर्मित भोजनागृह का उद्घाटन किया गया ।
- दिनांक 29.01.2021 को 7 वें फिक्की उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार के जूरी प्रस्तुति में भाग लिया ।

खंड - 2, अंक - 2
फ़रवरी, 2021

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादन:
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
पी. कु. प्रणव
अंकुर जमवाल
आशीष कु. पंडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहयोग :
मनीष कुमार

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा
www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय में कोविड -19 सुरक्षा और सावधानियों के बीच सभी स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के पुराने और प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत किया गया । नव प्रवेशित छात्रों के लिए उनके संबंधित कॉलेज में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां उन्हें सुविधाओं, कैरियर संभावनाएं, और संस्थान के नियम और कानून से परिचित कराया गया ।.
- भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से भरी गई सीटों के उपरांत बची हुई सीटों पर प्रवेश के लिए डॉ. रा. प्र. कें. कृ. वि., पूसा ने मॉप-ऑप राउंड आयोजित किए

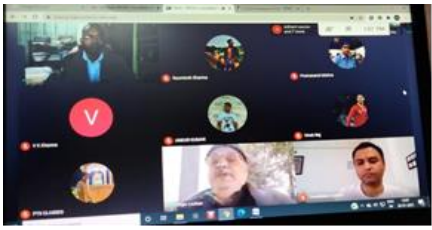

- कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय द्वारा AET-40 कोर्स की अकादमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु दो आभासी (वर्चुअल) शैक्षिक दौरों का आयोजन किया गया जिसमे 16 बी. टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) के छात्रों को दिनांक 19/01/2021 को एस्कॉर्ट्स, लिमिटेड फरीदाबाद और दिनांक 28/01/2021 को डॉक-टी-एस्टेट किशनगंज, बिहार का दौरा कराया गया ।
- मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली के सात बी.एफ.एस.सी. स्नातक छात्रों का चयन विश्व बैंक-प्रायोजित बिहार कोसी बेसिन विकास परियोजना (BKBDP) में एग्री-बिजनेस फैसिलिटेटर्स के रूप में हुआ ।

- "बिहार में सौर उर्जा आधारित ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकियां के महत्व एवं विकास के लिए 13 जनवरी 2021 को एन.सी.पि.ए.एच., कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा "सोलर पावर्ड ग्रीनहाउस और प्रिसिजन फार्मिंग" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया ।
- कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा खेत की रखरखाव पर 15 जनवरी से 24 फरवरी, 2021 तक एक महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन ने व्याख्यान श्रृंखला "उच्च शिक्षा" के तहत "उच्च शिक्षा हेतु विदेश में अवसर" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया । इस श्रृंखला के अंतर्गत कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा हर महीने एक व्याख्यान का आयोजन किया जाता है ।

अनुसन्धान:

मशीनीकृत हर्बल गुलाल इकाई का उद्घाटन

बड़े पैमाने पर हर्बल गुलाल उत्पादन को सुविधाजनक बनाने के लिए अपशिष्ट से धनोपार्जन पर उन्नत अनुसन्धान केन्द्र में एक मशीनीकृत हर्बल गुलाल बनाने वाली प्रयोगशाला स्थापित की गई । यूनिट का उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा निदेशक अनुसंधान और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यूनिट में छीलने, चॉपिंग, स्लाइसिंग, जूस बनाने, सामग्री मिश्रण, ट्रे सुखाने, पीसने, तौलने और ब्रांड सील करने के लिए मशीन हैं। हर्बल गुलाल तैयार करने के लिए विभिन्न कृषि उत्पादों और खेतो से निकले अपशिष्ट का उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर, माननीय कुलपति ने केंद्र में चल रही विभिन्न शोध गतिविधियों की समीक्षा की और प्रयासों की सराहना की।

शून्य जुताई पर प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया

ग्राम पुनास (ब्लॉक समस्तीपुर) और परना ग्राम (ब्लॉक कल्याणपुर) में एफ. आई.एम् पर क्रमशः 28 तथा 29 जनवरी, 2021 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के तहत दो प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किए गए। इस अवसर पर किसानों को शून्य जुताई मशीन के माध्यम से गेहूं की बुवाई के महत्व और लाभों के बारे में अवगत कराया गया। इन आयोजनों के दौरान, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय और अन्य वैज्ञानिक ने किसानों के साथ बातचीत की और उनसे विश्वविद्यालय में चल रहे इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुरोध किया। कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, दोनों दिनों के कार्यक्रमों में लगभग 100 किसानों ने भाग लिया।

सूखा यम (YAM) पाउडर तैयार किया गया

सूखे यम पाउडर को कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (PHET), और खाद्य प्रसंस्करण (PFE) विभाग, के द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के तहत तैयार किया गया । तैयार यम पाउडर का इस्तेमाल यम पापड़ बनाने के लिए किया जाता है। पापड़ में प्रमुख रूप से यम पाउडर, सफ़ेद चने और काले चने का पाउडर क्रमशः 3: 1: 1 के अनुपात में मिलाये गए । अन्य छोटी सामग्रियों में सरसों का तेल, नमक, हींग, सोडियम बाइकार्बोनेट और पानी शामिल किये गए ।

➢ पोर्टेबल कॉर्न रोस्टर कम ब्वायलर विकसित

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वीत अनुसंधान परियोजना (AICRP) के तहत एक गैस संचालित पोर्टेबल कॉर्न रोस्टर कम ब्वायलर विकसित किया गया। इससे मक्का भूनने और उबालने की प्रक्रिया एक ही एकल पोर्टेबल इकाई में की जा सकती है। यह 15 मिनट में एक साथ 5 कॉर्न्स भुन सकती है तथा 12 कॉर्न्स उबाल सकती है। यह कम कीमत तथा संचालन में आसान और कम उर्जा के उपयोग वाली इकाई है।

➢ डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. पूसा में एयर क्वालिटी इंडेक्स मॉनिटरिंग सिस्टम का उद्घाटन जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केन्द्र का एक नवीन अनुप्रयोग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर के प्रवेश द्वार पर एक वायु गुणवत्ता सूचकांक निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केन्द्र की ओर से यह अनुठी शुरूआत है। यह प्रणाली लगातार वायु प्रदूशक सूचकांक की निगरानी करेगी और प्रति घंटे के आधार पर पार्टिकुलेट मैटर (पी0 एम0) 2.5 और 10 के रूप में प्रदर्शित करेगी। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव जी ने इसका उद्घाटन किया।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ भा. ज. प्र. सं., ओड़िसा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केन्द्र, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. की भागीदारी

28 जनवरी 2021 को भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा ''बिहार में बाढ और सूखे के प्रभावों पर काबू पाने के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ'' नामक एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। माननीय उप महानिदेशक (एन.आर.एम.) डा. एस. चैधरी ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। इसमें एडवांस सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया। डा. रत्नेश कुमार झा, परियोजना निदेशक;जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केन्द्र इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे। डा. अब्दुल सत्तार ने बिहार में बाढ और सूखे के प्रबंधन के लिए बहुमूल्य कार्यक्रम में सुझाव प्रस्तुत किए ।

➢ जलवायु परिवर्तनशील कृषि (सी.आर.ए.) कार्यक्रम के तहत यात्रा ट्रेवल सेमिनार

डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. पूसा के सभी 17 कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से हर हफ्ते ज्ञान और नवाचार के प्रसार के लिए एक्सपोजर विजिट सह यात्रा सेमिनार का आयोजन किया जाता है। इसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र से 100 किसानों ने भागीदारी की, गैर सी. आर. ए. गाँवों के किसान भी अब सी. आर. ए. गाँवों का दौरा कर रहे हैं तथा प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत कर शिक्षित हो रहे हैं।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में रावे(RAWE) के छात्रों का सर्वेक्षण एक्सपोज़र विजिट फसल संगोष्ठी तथा सहगामी ग्रामीण मूल्यांकन

कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में रावे (RAWE)के कृषि छात्रों के एक्सपोजर विजिट और ग्रामीण सहभागिता मूल्यांकन आयोजित किये गये। कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया में सी. आर. ए. परियोजना के तहत छात्रों ने विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों, गेंहू और सरसों के खेतों का भ्रमण किया जिसमें कई किसान भी शामिल हुए। कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया परिसर में फसल सेमिनार भी सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

➢ फार्म इन्पलीमेंट्स के देखभाल एवं रखरखाव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि यांत्रिकरण और ग्रामीण रोजगार के संदर्भ में कृषि उपकरणों को देखभाल एवं रख-रखाव पर एक महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जनवरी 2021 से कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कौशल विकास योजना के तहत संपन्न हुआ।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुजफ्फरपुर के मुरौल और सकरा प्रखंड के 48 किसानों ने ''स्पाइस प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी'' पर आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के द्वारा 18-20 जनवरी को सुपारी और मशाला विकास निदेशालय, कालीकट केरल से प्रायोजित परियोजना के माध्यम से किया गया था।

➢ राष्ट्रीय मशरुम दिवस का आयोजन

23 दिसंबर 2020 को मशरुम अनुसन्धान पर उन्नत केन्द्र द्वारा मशरूम दिवस का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव जी ने किया। इस दौरान एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें 35 महिला किसान सहित 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मशरुम उत्पादन और मूल्य संवर्धन पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

➢ "शिक्षण कौशल में सुधार कैसे करें" विषय पर विचार मंथन

सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रभावी शिक्षण कौशल को विकसित करने के लिए 15 जनवरी, 2021 को "शिक्षण कौशल में सुधार कैसे करें" पर विचार मंथन का आयोजन डॉ. बिरेन्द्र कुमार, स्कॉलर-इन- रेजिडेंस की उपस्थिति में किया गया। जिसमे

पुरस्कार, खेल, महत्वपूर्ण दिवस इत्यादि

➢ विश्वविद्यालय एवं सम्बंधित सभी महाविद्यालयों और उत्कृष्टता केन्द्रों में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कोरोना योद्धाओं (विश्वविद्यालय के कर्मचारी और अधिकारी) जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपनी सेवायें दी थी, उन्हें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रशंशा पत्र और नगद पुरस्कारों के साथ प्रमाण पत्र भी दिये गये।

➢ डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. पूसा के "सेंटर फॉर स्टार्ट-अप फेसिलिटेशन" द्वारा विश्वविद्यालय से विकसित पंद्रह प्रौधोगिकियों के हस्तांतरण और व्यवसायीकरण के लिए निम्नांकित 7 उद्यमियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया.

- सपोर्ट फॉउंडेशन मुजफ्फरपुर
- एशिया उद्यमिता कौशल संघ, उत्तर प्रदेश
- एडवेंचर आर्गेनिक फार्म , पटना
- महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय., मोतिहारी
- सोहंसा बेवर फुड प्रा0 लिमिटेड, नई दिल्ली
- एम. एम. ए. यू. गुड़स प्रा0 लिमिटेड मुजफ्फरपुर
- श्री विद्याभूषण सिंह और श्री प्रमोद कुमार सिंह, प्रगतिशील किसान, वैशाली, बिहार

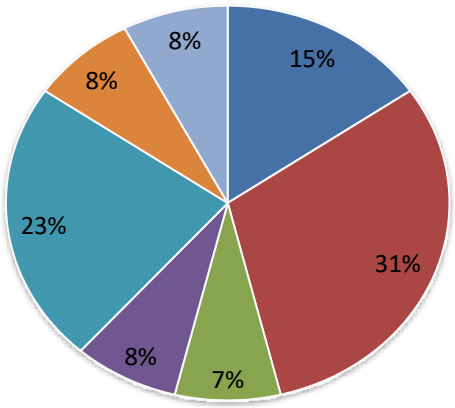

तकनीकी हिंदी अनुवाद- डॉ. राकेश मणि शर्मा एवं गुप्तनाथ त्रिवेदी